

न्यायालय राजस्व मण्डल, म०प्र० ग्वालियर

समक्ष

एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 1443-तीन/2000 - विरुद्ध आदेश
दिनांक 31-3-1997 - पारित द्वारा - अपर आयुक्त, चंबल
संभाग, मुरैना - प्रकरण क्रमांक 248/96-97 स्व० निगरानी

संतोष सिंह पुत्र शम्भूसिंह
ग्राम मानपुर तहसील श्योपुर
जिला श्योपुर कलॉ म०प्र०
विरुद्ध

--- आवेदक

म०प्र०शासन द्वारा कलेक्टर
श्योपुर कलॉ मध्यप्रदेश

---अनावेदक

(आवेदक के अभिभाषक श्री ओ०पी०शर्मा)
(अनावेदक के पैनल लायर)

आ दे श

(आज दिनांक 7 - 1 - 2016 को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा
प्रकरण क्रमांक 248/1996-97 स्व० निगरानी में पारित आदेश
दिनांक 31-3-1997 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता
1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत हुई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि आवेदक ने तहसीलदार
श्योपुरकलॉ को आवेदन देकर मांग की कि ग्राम फतेपुर स्थित
भूमि सर्वे क्रमांक 390/2, 392 रकबा 5 वीघा (आगे जिसे
वादोक्त भूमि लिखा गया है) पर अतिक्रमण होकर खेती करता आ

for

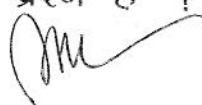


रहा है इसलिये दखल रहित भूमि के तहत भूमि व्यवस्थापित की जावे। तहसीलदार श्योपुर कलों ने प्रकरणकमांक 255/94-95 अ 19 दर्ज करके आदेश दिनांक 26-6-95 पारित किया तथा आवेदक को उक्त भूमि व्यवस्थापित कर दी। तहसीलदार के प्रकरण के परीक्षण में अनियमिततायें पाये जाने से अपर आयुक्त, चम्बल संभाग ने स्व0 निगरानी प्रकरण कमांक 248/1996-97 पंजीबद्ध किया तथा आवेदक की सुनवाई कर आदेश दिनांक 31-3-1997 पारित करके तहसीलदार के व्यवस्थापन आदेश दिनांक 26-6-95 को निरस्त कर दिया। इसी आदेश से दुखी होकर यह निगरानी की गई है।

3/ आवेदक के अभिभाषक ने तर्कों में बताया कि आवेदक का 2-10-84 के पूर्व से वादोक्त भूमि पर कब्जा चला आ रहा है एवं आज भी निरन्तर कब्जा करके खेती कर रहा है आवेदक भूमिहीन कृषि श्रमिक है। तहसीलदार ने इस्तहार निकाल कर ग्रामीणों से आपत्तियां बुलाई हैं। लम्बी अवधि के बाद स्वमेव निगरानी की शक्तियों का प्रयोग करना बर्जित है। अपर आयुक्त द्वारा स्वमेव निगरानी के दौरान आवेदक को सुनवाई एवं साक्ष्य प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया है। उन्होंने निगरानी स्वीकार करने की प्रार्थना की।

4/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से पाया गया कि तहसीलदार श्योपुर कलों द्वारा प्रकरण कमांक 255/94-95 अ 19 में दिये गये भूमि व्यवस्थापन आदेश दिनांक 26-6-1996 के विरुद्ध अपर आयुक्त, चम्बल संभाग मुरैना ने दिनांक 5-3-1997 को स्वमेव निगरानी प्रकरण दर्ज किया है जहां तक स्वमेव पुनरीक्षण विलम्ब से दर्ज करने का प्रश्न है ? इस अवधि के बीच शिकायत

for



पर से तहसीलदार के व्यवस्थापन प्रकरण की जांच भी हुई है।

1. भू राजस्व संहिता 1959 (म.प्र.) धारा-50- व्याप्ति - स्वप्रेरणा से पुनरीक्षण के लिये परिसीमा निर्धारित नहीं है। सक्षम अधिकारी जानकारी के दिन से स्वमेव पुनरीक्षण कर सकता है। (रामगुरु विरुद्ध राजेन्द्र मेहरा एवं म0प्र0राज्य 2005 रा.नि. 300 से अनुसरित)
2. भू राजस्व संहिता 1959 (म.प्र.) धारा-50- भूमि व्यवस्थापन में प्रक्रियात्मक अनियमिततायें की गई - स्वमेव पुनरीक्षण शक्तियों का प्रयोग किया जा सकता है - समय-सीमा की पाबंदी नहीं है।

आवेदक के अभिभाषक द्वारा पुनरीक्षण विलम्ब से किये जाने वावत् उठाई गई आपत्ति माने जाने योग्य नहीं है।

5/ आवेदक के अभिभाषक ने सुनवाई का समुचित अवसर न मिलने का तर्क दिया है , अपर आयुक्त, चम्बल संभाग मुरैना के प्रकरण क्रमांक 248/1996-97 स्वमेव निगरानी के अवलोकन पर पाया गया कि अपर आयुक्त द्वारा दिनांक 5-3-1997 को स्वमेव निगरानी प्रकरण दर्ज करके आवेदक को सुनवाई हेतु पेशी 17-3-1997 की नियत कर विधिवत् कारण अंकित करते हुये नोटिस जारी किया है अपर आयुक्त की आर्डरशीट दिनांक 17-3-1997 एवं 31-3-97 इस प्रकार है।

17-3-97 - प्रकरण पेश। नोटिस वाद तामील प्राप्त। बकालातनामा पेश । अभिभाषक जबाव हेतु समय चाहते हैं । प्रकरण में जवाव एवं बहस हेतु नियत। पेशी 31-3-97

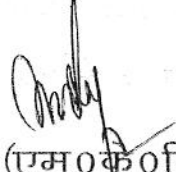
31-3-97 अनावेदक अभिभाषक उपस्थित। अनावेदक अभिभाषक द्वारा जबाव पेश किया गया। अनावेदक अभिभाषक की बहस श्रवण की गई। प्रकरण आदेशार्थ।



for

उक्त के बावजूद आवेदक के अभिभाषक का यह तर्क देना उचित प्रतीत नहीं होता है कि अपर आयुक्त द्वारा आवेदक को सुनवाई का समुचित अवसर नहीं दिया। पेशी 31-3-97 के दिन उत्तर प्रस्तुत करने के उपरांत यदि आवेदक अथवा उसके अभिभाषक कुछ अभिलेख / साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहते थे वह अंतिम बहस न करके तदाशय की मांग कर सकते थे और इन्हीं कारणों से आवेदक के अभिभाषक का यह तर्क स्वीकार योग्य नहीं रहता है।

6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है एवं अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 248/1996-97 स्व0 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 31-3-1997 उचित होने से यथावत् रखा जाता है।


(एम०के०सिंह)
सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर

for